राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, राज्य
आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,
मंत्रालय, नवा रायपुर, छ.ग.

चक्रवात

चक्रवात निम्नदाब के केंद्र होते हैं, जिनके चारों तरफ संकेंद्रीय, समदाब रेखाएं विस्तृत होती हैं। परिधि से केंद्र की तरफ जाने पर वायुदाब कम होता जाता है, परिणामस्वरूप परिधि से केंद्र की ओर तेज हवाएँ चलने लगती हैं। कोरियालिस बल के प्रभाव से ये हवाएँ चक्राकार घूमने लगती हैं।

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात आक्रामक तूफ़ान हैं, जिनकी उत्पत्ति उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के महासागरों पर होती है। ये तटीय क्षेत्रों की तरफ गतिमान होते हैं। ये चक्रवात आक्रामक पवनों के कारण विस्तृत विनाश, अत्यधिक वर्षा और तूफ़ान लाते हैं। ये चक्रवात विध्वंसक प्राकृतिक आपदाओं में से एक हैं।

चक्रवात से सुरक्षा के उपाय

<u>क्या करें</u>:

- चक्रवात की गति मार्गों की अद्यतन जानकारी रेडियों व अन्य संचार माध्यमों से प्राप्त करते रहें ।
- अपने समुदाय के लोगों को आने वाले खतरों के प्रति सावधान करें।
- अपने आसपास के शरण स्थलों व वहाँ तक पहुँचने के मार्ग की जानकारी रखें।
- आपात्कालीन किट और आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाएँ, टार्च एवं बैटरी आदि तैयार रखें।
- दरवाजें, खिड़कियाँ, छत और दीवारों को मरम्मत के माध्यम से चक्रवात के मौसम से पहले मजबूत करें।
- सुरक्षित स्थानों में पर्याप्त अनाज और पानी संग्रह रखें।
- अपने समुदाय के लिए नकली अभ्यास (मॉकड्रिल) का आयोजन करें।
- यदि आश्रय स्थल पर नहीं जा सकते हैं तो अपने घर के मजबूत भाग के अंदर रहें।

<u>क्या न करें</u>:

- जब तक आधिकारिक सूचना न मिले कि घर से बाहर जाना सुरक्षित है तब तक घर से बाहर न निकलें।
- घर लौटने के लिए निर्देशित मार्ग का ही पालन करें, घर पहुँचने की जल्दी ना करें।
- टूटी विद्युत्त लाइनों, क्षतिग्रस्त सड़कों और टूटे वृक्षों से सावधान रहें।